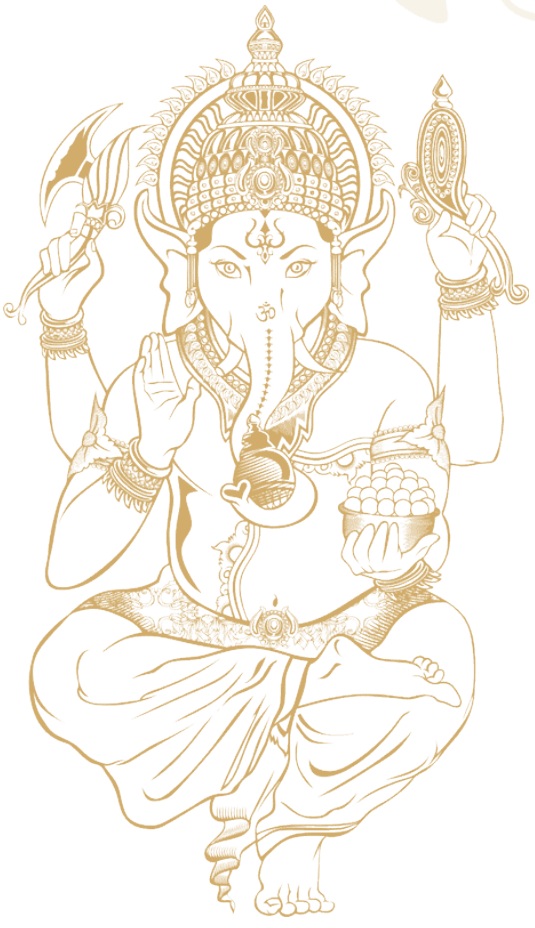

Mr. Saurabh Sharma

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120617105

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
10/11/1994	जन्म तिथि	16/08/1995
गुरुवार	दिन	बुधवार
घंटे 15:10:00	जन्म समय	19:45:00 घंटे
घटी 21:02:53	जन्म समय(घटी)	34:49:02 घटी
India	देश	India
Chandigarh	स्थान	Patiala
30:43:00 उत्तर	अक्षांश	30:19:00 उत्तर
76:47:00 पूर्व	रेखांश	76:24:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:22:52	स्थानिक संस्कार	-00:24:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:44:50	सूर्योदय	05:51:28
17:28:33	सूर्यास्त	19:05:31
23:47:18	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:55

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
मंगल 5वर्ष 8मा 29दि		07:50:03	मीन	लग्न	कुंभ	14:07:02	केतु 0वर्ष 6मा 12दि	
गुरु		23:58:38	तुला	सूर्य	कर्क	29:27:03	चन्द्र	
10/08/2018		25:43:02	मक	चंद्र	मेष	12:18:50	27/02/2022	
10/08/2034		24:58:32	कर्क	मंगल	कन्या	22:11:35	28/02/2032	
गुरु	27/09/2020	06:02:22	तुला	बुध	सिंह	17:34:00	चन्द्र	29/12/2022
शनि	11/04/2023	29:48:21	तुला	गुरु	वृश्चि	12:01:33	मंगल	30/07/2023
बुध	17/07/2025	12:14:53	तुला व	शुक्र	कर्क	28:14:16	राहु	28/01/2025
केतु	23/06/2026	11:53:31	कुंभ	शनि व	कुंभ	29:37:01	गुरु	30/05/2026
शुक्र	21/02/2029	21:00:55	तुला	राहु	तुला	04:58:31	शनि	29/12/2027
सूर्य	10/12/2029	21:00:55	मेष	केतु	मेष	04:58:31	बुध	29/05/2029
चन्द्र	11/04/2031	29:14:58	धनु	हर्ष व	मक	03:42:24	केतु	28/12/2029
मंगल	17/03/2032	27:11:53	धनु	नेप व	धनु	29:35:17	शुक्र	29/08/2031
राहु	10/08/2034	03:46:45	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	04:02:08	सूर्य	28/02/2032

लग्न-चलित

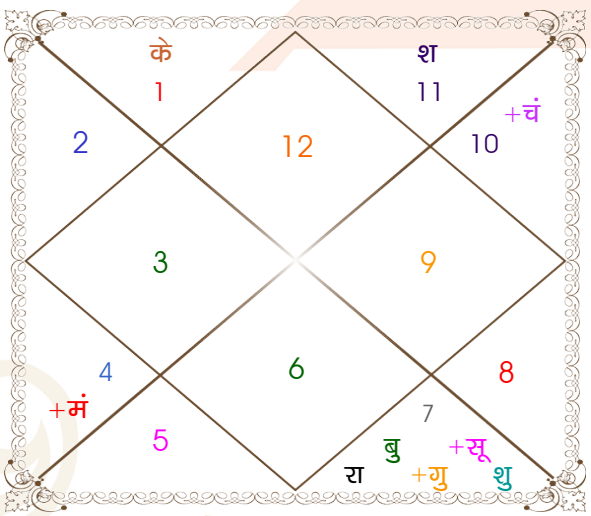

लग्न-चलित

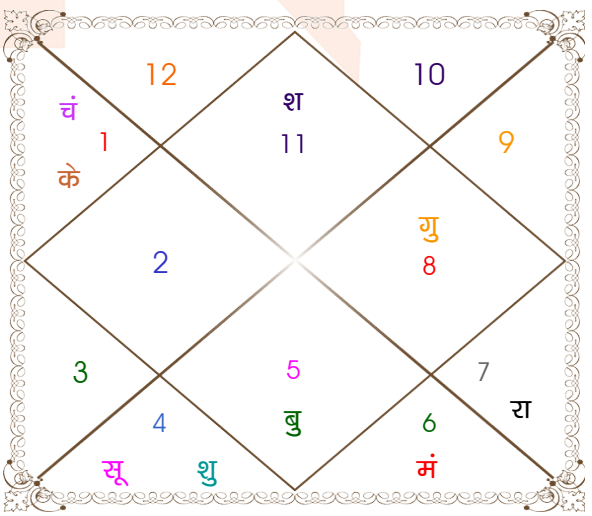

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सिंह	अश्व	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	मंगल	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	मेष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.00		

डतण्ँनतंड्ढीँतिउं का वर्ग मार्जार है तथा डेण का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्ँनतंड्ढीँतिउं और डेण का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्ँनतंड्ढीँतिउं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

डेण मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु डतण्ँनतंड्ढीँतिउं कि कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण्ँनतंड्ढीँतिउं तथा डेण में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।